कांग्रेस को प्रदेश में सबसे रद्दी अध्यक्ष मिला

शुजालपुर में आमसभा को संबोधित करते हुए मुख्यमंत्री ने कांग्रेस पर लगाए आरोप

नवभारत न्यूज

शाजापुर, 31 मई. शाजापुर जिले के शुजालपुर में विभिन्न कार्यों के भूमिपूजन और लोकार्पण के लिए आए प्रदेश के मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने सभा को संबोधित करते हुए कहा कि प्रदेश को बीमारु राज्य कांग्रेस ने बनाया था और भाजपा सरकार ने प्रदेश को बीमारु राज्य से बाहर किया.

सीएम ने प्रदेश कांग्रेस अध्यक्ष जीतू पटवारी पर वार करते हुए कहा कि आजादी के बाद मध्यप्रदेश को अब तक का सबसे रद्दी अध्यक्ष मिला. सीएम मोहन यादव यहीं नहीं रुके. उन्होंने कहा कि कांग्रेस अध्यक्ष जीतू पटवारी दो कौड़ी के हैं. जो खुद विधानसभा चुनाव हार गए, जिनके नेतृत्व में लोकसभा चुनाव बुरी तरह हारे. यहां तक कि इंदौर लोकसभा में वे अपना प्रत्याशी नहीं बचा पाए और भाजपा से मुकाबला करने का ढोंग रच रहे हैं. सीएम ने कहा कि जीतू पटवारी मुंगेरीलाल के हसीन सपने देख रहे हैं. प्रदेश में 20 साल कांग्रेस की सरकार नहीं आएगी.

गौरतलब है कि शुजालपुर में रोड शो के बाद आमसभा को संबोधित करते हुए मोहन यादव ने प्रदेश कांग्रेस अध्यक्ष जीतू पटवारी पर सबसे बड़ा हमला बोलते हुए उन्हें अब तक का सबसे रद्दी अध्यक्ष कह दिया. उन्होंने कहा कि मैं अभिनंदन लाल हूं, मुझे गर्व है, मगर तुम टपोरीलाल हो. कांग्रेस पर जबरदस्त हमला करते हुए मुख्यमंत्री ने कहा कि कांग्रेस में एक से एक ढपोलशंख है. शुजालपुर में सांदीपनि विद्यालय और आयुर्वेदिक कॉलेज एवं चिकित्सालय के भूमिपूजन एवं लोकार्पण में आए थे.

इस अवसर पर शुजालपुर विधायक इंदरसिंह परमार, शाजापुर विधायक अरुण भीमावद, सांसद महेंद्र सोलंकी, प्रदेश युवा मोर्चा अध्यक्ष श्याम टेलर, कालापीपल विधायक घनश्याम चंद्रवंशी, जिलाध्यक्ष रवि पांडे आदि मौजूद थे.

> कार्यक्रम में मुख्यमंत्री ने किसानों से संवाद करते हुए कहा कि यह वर्ष हम किसान कल्याण वर्ष के रूप में मना रहे हैं. मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने कहा कि इस वर्ष गेंहू खरीदी में लगभग 14 लाख किसानों से 103 लाख मीट्रिक टन से अधिक गेहूं खरीदकर ऐतिहासिक रिकॉर्ड खरीदी की गई है और समर्थन मूल्य पर किसानो का पूरा गेंहू खरीदा है. सोयाबीन में भावांतर योजना का लाभ किसानों को दिया है. उन्होंने कहा कि किसान कल्याण वर्ष के तहत राज्य सरकार किसानों को उनकी उपज का उचित मूल्य सुनिश्चित करेगी.

मुख्यमंत्री की टिप्पणी पर कांग्रेस का हमला

भोपाल. कांग्रेस ने प्रदेश कांग्रेस अध्यक्ष जीतू पटवारी को लेकर मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव द्वारा की गई टिप्पणी की निंदा करते हुए इसे लोकतांत्रिक मूल्यों और किसान समाज का अपमान बताया है. कांग्रेस ने मुख्यमंत्री से सार्वजनिक रूप से माफी मांगने की मांग भी की है. बयान में मध्यप्रदेश कांग्रेस मीडिया विभाग के अध्यक्ष मुकेश नायक ने कहा कि जीतू पटवारी किसान परिवार से आते हैं और उस वर्ग का प्रतिनिधित्व करते हैं जिसे देश अन्नदाता के रूप में सम्मान देता है. उन्होंने कहा कि किसानों का मूल्य धन या पैसों से नहीं आंका जा सकता और किसान पुत्र के प्रति अपमानजनक भाषा का प्रयोग पूरे किसान समाज की गरिमा पर आघात है. मुकेश नायक ने कहा कि लोकतंत्र में किसी व्यक्ति का मूल्यांकन उसकी कीमत लगाकर नहीं किया जाता. उन्होंने भारतीय जनता पार्टी के कुछ नेताओं पर राजनीतिक संवाद के स्तर को गिराने का आरोप लगाते हुए कहा कि चुनावी जीत और हार किसी भी नेता की योग्यता अथवा जनस्वीकार्यता का अंतिम पैमाना नहीं हो सकती. उन्होंने कहा कि देश में अनेक ऐसे नेता हुए हैं जिन्होंने चुनावी पराजय का सामना किया, लेकिन बाद में जनता के बीच और अधिक सम्मान प्राप्त किया. उन्होंने यह भी कहा कि पूर्व मुख्यमंत्री सुंदरलाल पटवा, कैलाश जोशी और बाबूलाल गौर जैसे वरिष्ठ नेताओं ने राजनीतिक मतभेदों के बावजूद कभी व्यक्तिगत टिप्पणियों का सहारा नहीं लिया.

एक नजर में

दो पक्षों की हिंसक झड़प में युवक की मौत

सतना. जिले के कोटर थाना क्षेत्र के खोहर गांव में दो पक्षों के बीच हुई हिंसक झड़प में एक युवक की मृत्यु हो गई, जबकि एक अन्य व्यक्ति घायल हो गया. पुलिस सूत्रों के अनुसार रामभान सिंह और अनंत प्रताप सिंह के बीच विवाद हो गया, जो बाद में हिंसक झड़प में बदल गया. दोनों पक्षों के बीच लाठी-डंडों से मारपीट हुई, जिसमें दोनों गंभीर रूप से घायल हो गए. घायलों को उपचार के लिए जिला अस्पताल में भर्ती कराया गया, जहां उपचार के दौरान शनिवार को अनंत प्रताप सिंह की मृत्यु हो गई. रामभान सिंह का उपचार जारी है. पुलिस ने मामला दर्ज कर घटना के कारणों की जांच शुरू कर दी है.

आकाशीय बिजली गिरने से दो युवाओं की मौत

शहडोल. अमरकंटक में तेज वर्षा के दौरान आकाशीय बिजली गिरने से दो युवाओं की मृत्यु हो गई, जबकि एक युवती गंभीर रूप से घायल हो गई. शनिवार शाम हर्ष टांडिया और आरती वर्मा एक धार्मिक आयोजन में शामिल होने के बाद अपने घर लौट रहे थे. उनके साथ राधा टांडिया भी थी. इसी दौरान तेज वर्षा शुरू होने पर तीनों एक वृक्ष के नीचे खड़े हो गए. सूत्रों ने बताया कि वृक्ष के समीप आकाशीय बिजली गिरने से हर्ष टांडिया और आरती वर्मा की घटनास्थल पर ही मृत्यु हो गई. जबकि राधा टांडिया गंभीर रूप से घायल हो गई. घायल युवती को उपचार के लिए अस्पताल में भर्ती कराया गया है.

राज्यसभा चुनाव के लिए अधिसूचना आज

03 सीटों पर होगा मप्र में चुनाव

09 को नामांकन पत्रों की जांच

- वर्तमान में 8 सीटों पर भाजपा और तीन पर कांग्रेस का कब्जा

नवभारत समाचार

भोपाल, 31 मई. मध्यप्रदेश में राज्यसभा की तीन सीटों पर चुनाव के लिए सोमवार एक जून को अधिसूचना जारी होने के साथ ही चुनाव प्रक्रिया प्रारंभ हो जाएगी.

अधिसूचना जारी होने के साथ ही नामांकनपत्र दाखिले का कार्य प्रारंभ हो जाएगा, जो 8 जून तक चलेगा. नामांकनपत्रों की जांच 9 जून को होगी और प्रत्याशी 11 जून तक नाम वापस ले सकेंगे. आवश्यकता पड़ने पर मतदान 18 जून को सुबह नौ बजे से अपरान्ह चार बजे तक होगा और फिर शाम को मतों की गणना होगी.

तीन सांसदों कांग्रेस के दिग्विजय सिंह के अलावा भाजपा के डॉ सुमेर सिंह सोलंकी और केंद्रीय राज्य मंत्री जॉर्ज कुरियन का कार्यकाल 21 जून को समाप्त हो रहा है. इसलिए इन तीन सीटों को भरने लिए द्विवार्षिक राज्यसभा चुनाव हो रहे हैं. मप्र से राज्यसभा की कुल 11 सीट हैं, जिनमें से वर्तमान में 8 पर भाजपा और तीन पर कांग्रेस का कब्जा है. इस बीच भाजपा और कांग्रेस अपने अपने प्रत्याशियों के चयन को लेकर मंथन कर रही हैं. दोनों दलों के प्रदेश संगठन अपने स्तर पर संभावित प्रत्याशियों के नामों से केंद्रीय नेतृत्व को अवगत कराएगा और अंतिम निर्णय केंद्र स्तर पर ही होगा.

> दो सौ तीस सदस्यीय विधानसभा में भाजपा के 164 सदस्य है. इसके अलावा कांग्रेस के 64 और एक विधायक भारत आदिवासी पार्टी से कमलेश्वर डोडियार हैं. जबकि दतिया सीट रिक्त घोषित कर दी गई है. इस संख्या बल के मान से दो सीट भाजपा और एक सीट कांग्रेस के खाते में जाना तय है. किसी भी दल को एक सीट जीतने के लिए 58 विधायकों के मतों की आवश्यकता रहेगी.

आयुष्मान योजना : कागजी दस्तावेजों से नहीं होगा भुगतान

- दर्ज करना होगा मरीज के इलाज का डिजिटल रिकार्ड
- सड़क हादसों में गोल्डन आवर पैकेज में मिलेगा अलग खर्च
- जले-झुलसे मरीजों के लिए गंभीरता देख वहन होगा खर्च

नवभारत प्रतिनिधि

भोपाल, 31 मई. प्रदेश में गरीब और जरूरतमंद वर्ग को मुफ्त इलाज देने वाली आयुष्मान भारत योजना को लेकर राज्य सरकार ने बड़ा तकनीकी बदलाव किया है.

नई व्यवस्था के तहत अब अस्पतालों में केवल कागजी दस्तावेजों के आधार पर क्लेम राशि का भुगतान नहीं किया जायेगा. बल्कि मरीजों के अस्पताल पहुंचने के समय से लेकर उनकी बीमारी की गंभीरता और इलाज के दौरान होने वाली हर छोटी बड़ी जांच का पूरा डिजिटल रिकॉर्ड रखना अनिवार्य कर दिया गया है. ता दें इसके लिये प्रदेश सरकार ने टियर एक, टियर दो और टियर तीन श्रेणी के अस्पतालों में नया पैकेज सिस्टम लागू कर दिया है, जिससे मॉनिटरिंग व्यवस्था और पारदर्शी होगी.

सड़क हादसों और आपातकालीन स्थितियों में मरीजों की जान बचाने के लिए सरकार ने पहली बार गोल्डन ऑवर पैकेज की शुरुआत की है. एक्सीडेंट के बाद के पहले एक घंटे को चिकित्सा विज्ञान में गोल्डन ऑवर माना जाता है, जिसमें त्वरित इलाज मिलने पर मरीज के बचने की संभावना सबसे अधिक होती है. इस नए पैकेज के तहत दुर्घटना के तुरंत बाद मिलने वाले पहले घंटे के इलाज का पूरा खर्च अलग से कवर किया जाएगा. इसमें मरीज को दी जाने वाली तत्काल ऑक्सीजन, आईवी फ्लूड, इंट्यूबेशन, ट्रॉमा मैनेजमेंट और दुर्घटना स्थल पर की जाने वाली जरूरी प्राथमिक जांचों के खर्च को विशेष तौर पर शामिल किया गया है.

> फर्जी तरीके से दस्तावेज दिखाकर इलाज की राशि वसूलने पर रोक और अधिक पारदर्शिता के साथ मरीजों को सुगम इलाज, कम से कम राशि में मिल सके. जिसके लिये नए नियम को तत्काल प्रभाव से लागू कर दिया गया है.
> **मनीष शर्मा**, सीएमएचओ, भोपाल

बर्न केस में गंभीरता के आधार पर मिलेगी राशि

गंभीर रूप से झुलसे मरीजों के इलाज के पैकेज में मरीजों के लिए एक समान भुगतान की व्यवस्था समाप्त कर दी गई है. नई गाइडलाइन के अनुसार मरीज के शरीर के जलने के प्रतिशत के आधार पर ही अस्पताल को भुगतान राशि तय होगी. उदाहरण के तौर पर 25 से 40 प्रतिशत तक जलने वाले मरीजों के इलाज के लिए 27 हजार 750 रुपये और 60 से 80 प्रतिशत तक झुलसे मरीजों के लिए 67 हजार 200 रूपये का पैकेज निर्धारित किया गया है. वहीं क्लेम पास करने के लिए अस्पताल को मरीज की फोटो, इंजरी की सटीक प्रकृति और डिस्चार्ज से जुड़े पुख्ता दस्तावेज अनिवार्य रूप से ऑनलाइन सबमिट करने होंगे.

मरीजों के इलाज की देनी होगी लाइव जानकारी

अब अस्पतालों को मरीज के ऑपरेशन की लाइव फोटो, इलाज में इस्तेमाल होने वाले किसी भी तरह के इम्प्लांट का बारकोड और विस्तृत डिस्चार्ज समरी को सरकारी पोर्टल पर अपलोड करना होगा. इसके अलावा डायलिसिस के मरीजों के लिए बायोमेट्रिक वेरिफिकेशन का दायरा भी काफी बढ़ा दिया गया है. सूत्रों के अनुसार डायलिसिस की प्रक्रिया के दौरान मरीजों को कई बार थंब ऑथेंटिकेशन यानी अंगूठे का निशान देना पड़ सकता है.

महाकाल की नगरी में बनेगा श्रीकृष्ण लोक

- विराट स्वरूप से जीवंत होगी दिव्य गाथा
- यूनिटी मॉल के पीछे बनेगा भव्य प्रकल्प
- उज्जैन विकास प्राधिकरण ने की तैयारी

प्रमोद व्यास

उज्जैन. बाबा महाकाल की नगरी अब केवल शिवमय ही नहीं, बल्कि कृष्णमय वैभव की भी नई पहचान गढ़ने जा रही है. सिंहस्थ-2028 से पहले उज्जैन में एक ऐसे भव्य कृष्ण लोक के निर्माण की तैयारी चल रही है, जहां भगवान श्रीकृष्ण के जीवन, उनकी लीलाओं, मित्रता, शिक्षा और गीता के संदेश को आधुनिक और आध्यात्मिक स्वरूप में साकार किया जाएगा.

योजना के अनुसार यूनिटी मॉल के पीछे स्थित विस्तृत क्षेत्र में एक विशाल विराट स्वरूप प्रतिमा स्थापित की जाएगी. यह प्रतिमा ओंकारेश्वर में स्थापित विराट स्वरूप की तर्ज पर होगी, जिसमें देव, दानव, यक्ष, गंधर्व, किन्नर, मानव, जीव-जंतु और समस्त सृष्टि के तत्वों को समाहित कर भगवान के विराट दर्शन कराए जाएंगे. यह प्रतिमा श्रद्धालुओं के लिए आकर्षण का नया केंद्र बनेगी.

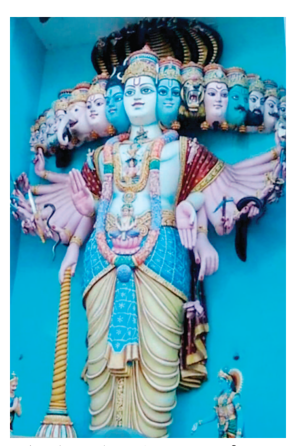

ओंकारेश्वर में स्थापित भगवान श्री कृष्ण की विराट स्वरूप प्रतिमा.

श्रद्धालु करेंगे भ्रमण

सिंहस्थ-2028 को ध्यान में रखते हुए शहर में लगभग 30 हजार करोड़ रुपये की विभिन्न विकास परियोजनाओं पर काम चल रहा है. अनुमान है कि करोड़ों श्रद्धालु, साधु-संत और पर्यटक उज्जैन पहुंचेंगे. ऐसे में महाकाल मंदिर, महाकाल लोक, 13 अखाड़ों और अन्य धार्मिक स्थलों के साथ कृष्ण लोक भी श्रद्धालुओं के आध्यात्मिक भ्रमण का प्रमुख केंद्र बनकर उभरेगा.

महाकाल लोक की तर्ज पर होगा निर्माण

कृष्ण लोक का निर्माण महाकाल लोक की तर्ज पर किया जाएगा, फर्क इतना रहेगा कि इसकी गाथा श्रीकृष्ण के जीवन दर्शन में बसाई जाएगी. यहां सांदीपनि आश्रम में बिताए गए श्रीकृष्ण के छात्र जीवन, 64 दिनों में 64 कलाओं के अध्ययन, बलराम और सुदामा के साथ उनकी मित्रता, बाल लीलाओं तथा गीता के अमर संदेशों को भव्य कलाकृतियों, संग्रहालयों, सांस्कृतिक केंद्रों और आधुनिक प्रस्तुति के माध्यम से जीवंत किया जाएगा.

श्री कृष्ण ने उज्जैन में ली थी शिक्षा

धार्मिक दृष्टि से भी यह परियोजना विशेष महत्व रखती है. उज्जैन वह भूमि है जहां भगवान श्रीकृष्ण ने शिक्षा प्राप्त की थी. ऐसे में कृष्ण लोक केवल एक पर्यटन केंद्र नहीं, बल्कि भारतीय संस्कृति, गुरु-शिष्य परंपरा और मित्रता के आदर्शों का जीवंत तीर्थ बनेगा.

सीएम के सामने जाएगी योजना...

बताया जा रहा है कि उज्जैन विकास प्राधिकरण ने इस महत्वाकांक्षी परियोजना की प्रारंभिक रूपरेखा तैयार कर ली है और विस्तृत परियोजना प्रतिवेदन (डीपीआर) बनाने की प्रक्रिया भी शुरू हो चुकी है. प्रस्ताव को जल्द ही मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव के समक्ष प्रस्तुत किया जाएगा. स्वीकृति मिलते ही निर्माण कार्य गति पकड़ सकता है.

पुरानी रंजिश में युवती पर 3 युवतियों ने ब्लेड-बोतल से किया हमला

- अन्य लोगों ने बीच-बचाव कर गंभीर हालत में युवती को पहुंचाया अस्पताल

नव भारत न्यूज

इंदौर. एमआईजी थाना क्षेत्र में शनिवार देर रात पुरानी रंजिश के चलते तीन युवतियों ने एक युवती पर ब्लेड और कांच की बोतल से हमला कर दिया. हमले में युवती घायल हो गई, जिसे अस्पताल में भर्ती कराया. पुलिस ने तीनों आरोपियों के खिलाफ मामला दर्ज कर जांच शुरू कर दी है.

नेहरू नगर में रहने वाली आरूषि ने पुलिस को शिकायत में बताया कि वह शनिवार रात करीब 11.30 बजे दो दोस्तों के साथ सरपंच कैफे पर चाय पीने गई थी. इसी दौरान वैष्णवी, नेहा और अच्छू वहां पहुंचीं और पुराने विवाद को लेकर बहस करने लगीं. विवाद बढ़ने पर तीनों युवतियों ने आरूषि के साथ मारपीट शुरू कर दी. इस दौरान वैष्णवी ने ब्लेड से उसके चेहरे और हाथ पर वार किया, जबकि नेहा ने जूस की कांच की बोतल उसके सिर पर मार दी. हमले में आरूषि को गंभीर चोटें आईं. घटना के दौरान मौजूद एक युवक और युवती ने बीच बचाव कर उसे बचाया और तत्काल अस्पताल पहुंचाया, जहां उसका इलाज कराया.

आरोपी युवतियों के खिलाफ केस दर्ज, तलाश में जुटी पुलिस

पीड़िता ने पुलिस को यह भी बताया कि कुछ समय पहले वैष्णवी का उसकी एक सहेली से विवाद हुआ था, जिसके बाद दोनों पक्षों में रंजिश चल रही थी. उसी के चलते इस वारदात को अंजाम दिया. थाना प्रभारी चंद्रभाल सिंह का कहना है कि पुलिस ने तीनों आरोपियों के खिलाफ गंभीर धाराओं में प्रकरण दर्ज कर लिया है. पुलिस आरोपियों की तलाश कर रही है और मामले की जांच जारी है.

अस्पताल में फर्जी डॉक्टरों की भर्ती कराने वाले गिरफ्तार

नवभारत न्यूज

दमोह, 31 मई. संजीवनी अस्पताल में फर्जी डॉक्टरों को भर्ती कराने के मामले में पुलिस ने दो आरोपियों को गिरफ्तार किया है. आरोपियों के पास से 3 कार और 5 लाख 36 हजार 900 रुपये नकद सहित करीब 45 लाख का मशरूका जब्त किया गया है.

टीआई कोतवाली मनीष कुमार ने बताया कि गिरफ्तार आरोपी हीरा सिंह पिता रामप्रकाश कौशल उम्र 44 साल निवासी कोहेफिजा भोपाल और आदिल सिद्दीकी पिता स्व. अफजल सिद्दीकी उम्र 37 साल निवासी बाग दिल खुश भोपाल हैं. इनसे नगदी व कार जब्त की गई है.

राष्ट्रीय कार्यकारी परिषद की बैठक संपन्न

महिला सुरक्षा और वैश्विक परिदृश्य से जुड़े विषयों पर हुई चर्चा

- वैश्विक चुनौतियों पर चार प्रस्ताव पारित
- देशभर में कई अभियान चलाने की घोषणा

भुवनेश्वर, भोपाल 31 मई. अखिल भारतीय विद्यार्थी परिषद (अभाविप) की तीन दिवसीय राष्ट्रीय कार्यकारी परिषद बैठक ओडिशा की राजधानी भुवनेश्वर में संपन्न हुई. 29 से 31 मई तक आयोजित इस बैठक में देश के 46 प्रांतों से 400 से अधिक प्रतिनिधि कार्यकर्ताओं ने भाग लिया.

बैठक में शिक्षा, राष्ट्रीय सुरक्षा, महिला सुरक्षा और वैश्विक परिदृश्य से जुड़े महत्वपूर्ण विषयों पर व्यापक चर्चा के बाद चार प्रस्ताव सर्वसम्मति से पारित किए गए. पारित प्रस्तावों में शैक्षिक सुधारों के प्रभावी क्रियान्वयन, सशस्त्र माओवाद के बाद शहरी माओवाद की चुनौती, महिलाओं के शोषण एवं मतांतरण पर रोक तथा वैश्विक अनिश्चितताओं के बीच राष्ट्रीय सजगता को लेकर विचार रखे गए.

इससे पहले 27 मई को आयोजित केंद्रीय कार्यसमिति बैठक में पश्चिम बंगाल के जनमानस के अभिनंदन संबंधी प्रस्ताव भी पारित किया गया था.

आयोजन अभियान के तहत प्रदेश, जिला और विधानसभा स्तर पर सोशल मीडिया वॉरियर्स का होगा चयन

कांग्रेस का सोशल मीडिया वॉरियर्स अभियान शुरू

विशेष संवाददाता

भोपाल, 31 मई. मध्य प्रदेश कांग्रेस सोशल मीडिया विभाग ने युवाओं, जागरूक नागरिकों और सोशल मीडिया पर सक्रिय प्रभावशाली व्यक्तियों को संगठन से जोड़ने के उद्देश्य से राज्यव्यापी महत्वाकांक्षी अभियान 'सोशल मीडिया वॉरियर्स' का शुभारंभ किया है.

इस अभियान के तहत प्रदेश, जिला और विधानसभा स्तर पर सोशल मीडिया वॉरियर्स का चयन किया जाएगा. कांग्रेस का कहना है कि अभियान का उद्देश्य लोकतांत्रिक मूल्यों और संविधान में आस्था रखने वाले नागरिकों को पार्टी की विचारधारा से जोड़ना तथा उन्हें समकालीन राजनीतिक और सामाजिक विमर्श में सक्रिय भागीदारी के लिए प्रोत्साहित करना है. अभियान के माध्यम से लेखकों, डिजाइनर्स, वीडियो एडिटर्स, कार्टूनिस्टों, कवियों, ब्लॉगर्स, मोटिवेशनल स्पीकर्स, सामाजिक कार्यकर्ताओं और लोक कलाकारों सहित विभिन्न रचनात्मक क्षेत्रों से जुड़े लोगों को कांग्रेस से जोड़ने का प्रयास किया जाएगा. इसके साथ ही महिलाओं को सोशल मीडिया के जरिए अपनी आवाज बुलंद करने तथा पत्रकारों, न्यूज एंकर्स और रिपोर्टर्स को जनहित के मुद्दों को प्रभावी ढंग से उठाने के लिए मंच उपलब्ध कराने पर भी जोर दिया जाएगा. अभियान का औपचारिक शुभारंभ 31 मई को भोपाल स्थित प्रदेश कांग्रेस कार्यालय के राजीव गांधी सभागार में आयोजित प्रेस वार्ता के दौरान किया गया. ऑनलाइन आवेदन प्रक्रिया शुरू हो चुकी है, जो 15 जून तक जारी रहेगी. चयनित सोशल मीडिया वॉरियर्स की अंतिम सूची 30 जून को जारी की जाएगी.

> प्रेस वार्ता को अखिल भारतीय कांग्रेस कमेटी के राष्ट्रीय सचिव एवं पूर्व विधायक कुणाल चौधरी, प्रदेश कांग्रेस के संगठन महासचिव डॉ. संजय कामले तथा कांग्रेस सोशल मीडिया विभाग के प्रदेश अध्यक्ष चंचलेश व्यास ने संबोधित किया.

महंगाई पर फूटा अजय सिंह का गुस्सा

50 प्रतिशत की वैट में तत्काल कटौती की मांग

विशेष संवाददाता

भोपाल, 31 मई. प्रदेश में लगातार बढ़ती महंगाई को लेकर पूर्व नेता प्रतिपक्ष अजय सिंह ने राज्य सरकार पर निशाना साधते हुए पेट्रोल और डीजल पर लगने वाले वैट में 50 प्रतिशत की तत्काल कटौती की मांग की है.

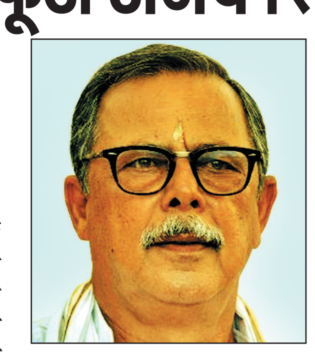

उन्होंने कहा कि ईंधन की बढ़ती कीमतों ने आम परिवारों का घरेलू बजट पूरी तरह बिगाड़ दिया है और आवश्यक वस्तुओं के दामों में भारी वृद्धि हुई है. अजय सिंह ने कहा कि परिवहन लागत बढ़ने के कारण खाद्यान्न और दैनिक उपयोग की वस्तुओं की कीमतों में लगातार इजाफा हो रहा है. कई आवश्यक वस्तुएं पहले की तुलना में लगभग दोगुनी कीमत पर बिक रही हैं, जिससे आम नागरिकों के लिए घर का खर्च चलाना कठिन होता जा रहा है. उन्होंने कहा कि सरकार यदि पेट्रोल और डीजल पर वैट कम करती है तो परिवहन लागत घटेगी और इसका सीधा लाभ उपभोक्ताओं को मिलेगा. इससे बाजार में आवश्यक वस्तुओं के दाम स्वत: कम हो जाएंगे.

> अजय सिंह ने सार्वजनिक वितरण प्रणाली के माध्यम से गेहूं, चावल, दाल, खाद्य तेल और शक्कर नियंत्रित दरों पर उपलब्ध कराने की भी मांग की. उनका कहना है कि महंगाई का सबसे अधिक असर गरीब परिवारों पर पड़ा है, जबकि मध्यम वर्ग भी शिक्षा और अन्य आवश्यक खर्चों के बढ़ते बोझ से जूझ रहा है. उन्होंने चेतावनी दी कि यदि सरकार ने करों में राहत और सस्ता राशन उपलब्ध कराने के लिए प्रभावी कदम नहीं उठाए तो जनता आंदोलन के लिए सड़कों पर उतरने को मजबूर होगी.

स्वत्वाधिकारी रामगोपाल इन्वेस्टमेंट प्रा. लि. हेतु लेसी एंगेज मीडिया प्रा.लि. के लिए आशुतोष उपाध्याय द्वारा 6/54, फिरोज गांधी प्रेस काम्प्लेक्स, इंदौर से प्रकाशित एवं नवभारत प्रेस भोपाल प्रा.लि. , फिरोज गांधी प्रेस कॉम्प्लेक्स इंदौर से मुद्रित. समूह संपादक क्रांति चतुर्वेदी*, *समाचार चयन के लिए पी.आर.बी. एक्ट के अंतर्गत जिम्मेदार, फोन/फैक्स- 4096718 RNI Reg. No.7590/60